Nai Dunia, 11th May 2022, Page – 02

प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन पर मिलकर करेंगे कार्य

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फारेस्ट मैनेजमेंट (आइआइएफएम) भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसका उद्देश्य पारस्परिकता और पारस्परिक हित के आधार पर ज्ञान साझा करने के दीर्घकालिक सहयोग और उन्नति के लिए रूपरेखा बनाना है।

एमओयू पर आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी और आइआइएफएम के निदेशक सुभाषचंद्र ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थान प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण, वन, स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण आजीविका और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में तकनीकी हस्तक्षेप के उपयोग पर काम करेंगे। इसके लिए संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, परामर्श कार्यों और ऐसी अन्य गतिविधियों का उपयोग किया जाएगा। दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य, संयुक्त रूप से सामान्य क्षेत्रों में पीएचडी करेंगे। आइआइटी इंदौर और आइआइएफएम के अधिकारियों की बैठक के दौरान सस्टेनेबिलिटी सेंटर शुरू करने, पर्यावरणीय पर्यटन और कृषि वानिकी पर एक साथ काम करने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

आइआइएफएम के प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ वन अधिकारियों के साथ आइआइटी इंदौर के वन क्षेत्र का दौरा किया और वन क्षेत्र के विकास में आइआइटी इंदौर का मार्गदर्शन करने के लिए सहमत हुए। वन क्षेत्र में वनों की आग, नगर वन योजना, वाणिज्यिक पौधारोपण और जलाशयों के विकास पर भी चर्चा हुई। मध्य प्रदेश के दो प्रमुख संस्थानों के एक साथ आने से रुचि के सामान्य क्षेत्रों में अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। हाल ही में आइआइटी इंदौर ने प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसमें राज्य सरकार के इंजीनियरिंग कालेजों के 50 मेधावी छात्रों को बिना किसी शुल्क के एक महीने की इंटर्नशिप कराई जाएगी। इसके अलावा निशुल्क आवास और शोध करने का खर्च भी आइआइटी इंदौर द्वारा वहन किया जाएगा।

- **आइआइटी इंदौर और आइआइएफएम भोपाल के बीच हुआ समझौता**
- **विद्यार्थियों को निशुल्क इंटर्नशिप भी कराई जाएगी**